Dr.Sunita Kumari, Guest Asst Prof, Dept of H.Sc
SNSRKS College, Saharsa

Part-I&II(sub)

Dt.17/02/2022

ग्रामीण नेता की भूमिका एवं कार्य or देश के विकास में इसका योगदान :—

(Discuss the function of a leader and its role in national development)

Ans:— नेतृत्व प्रदान करने के लिए समूह का होना अनिवार्य है। यदि कोई नेता समूह का सदस्य नहीं है केवल उसमें नेता के सभी गुण वर्तमान हो, वह नेता नहीं कहा जा सकता है। नेता समूह का केन्द्रीय व्यक्ति होता है। वह समूह को सुगठित रखता है। आपस के मतभेदों को दूर करता है और भावी नेतृत्व तैयार करता है। सामूहिक हित के कार्य उसके लक्ष्य होते हैं। ग्राम नेताओं के द्वारा काम करने से ही सामूहिक कार्यक्रम सही अर्थ में गाँव का कार्यक्रम, गाँव के द्वारा, गाँव के लिए हो सकता है। नेता वह होता है जो अपने समूहों में सबसे पहले लक्ष्यों या उद्देश्यों को लेता है और अपने प्रोग्रामों को उसी की पूर्ति की दिशा में मोड़ देता है।

(1) नेतृत्व और प्रसार कार्य — सामुदायिक विकास योजना में प्रसार कार्य एक सहकारी प्रयास है। बिना जनता के सहयोग से सामुदायिक विकास लक्ष्यों की प्राप्ति नहीं हो सकती है। जनता के सहयोग के लिए नेतृत्व ही एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा जनता से तादात्म्य किया जाता है। अतः प्रसार कर्ता के लिए नेतृत्व की पहचान, उसका अपेक्षित भूमिका जानना तथा नेतृत्व का विकास करना है।

नेता का कार्य उसके प्रकार पर निर्भर करता है कि वह किस प्रकार का नेता है। बर्टलेट के अनुसार नेता को तीन वर्गों में बाँटा जा सकता है —

(i) संस्थागत नेता — ये नेता किसी निश्चित संस्थागत जन-समुदाय के ऊपर शासन करते हैं। ये नेता संस्था के हित के विभिन्न कार्यक्रमों में दिलचस्पी लेते हैं और उन कार्यों में हमेशा अगुआ रहते हैं। ये नेता संस्था के निर्धारित नियमों द्वारा बाध्य होते हैं।

(ii) प्रभुत्व नेता (Dominant leader) :— ये नेता अपनी बात के आगे किसी की चलने नहीं देते हैं। वे किसी के सुझाव व इच्छाओं की भी परवाह नहीं करते। कभी-कभी इस प्रकार के नेता गलत निर्णय को भी ठीक करार कर देते हैं।

(iii) **आज्ञाकारी नेता** :— इस प्रकार के नेता कभी भी अपने निर्णय को दूसरे के ऊपर नहीं लादते, वे सदैव हर कार्य में सामूहिक फैसलों को ज्यादा महत्व देते हैं।

सैन्डरसन (Senderson) के अनुसार नेता के प्रकार (वर्गीकरण)

(i) **व्यावसायिक नेता** :— व्यावसायिक नेता की नियुक्ति होती है, जैसे - स्कूल मास्टर, सरकारी-कर्मचारी आदि। ये नेता अपने नेतृत्व कार्य का पारितोषिक भी लेते हैं।

(ii) **सैनिक, राजनैतिक व व्यापारी नेता** :— इस प्रकार के नेता शासन करने वाले होते हैं। वे नेता अपना कार्य कराने के लिए शक्ति का प्रयोग करते हैं।

(iii) **अनौपचारिक नेता** :— ये नेता प्रजातंत्र में अधिक विश्वास रखते हैं। इनका तरीका आग्रह करना होता है। इस प्रकार का नेता जनता से अनौपचारिक संबंध रखता है। जैसे - मंदिर का पुजारी, गाँव का मुखिया आदि।

(iv) **औपचारिक नेता** :— ये नेता अपने नेतृत्व के लिए कुछ कायदे कानून बना लेते हैं। ये अपने और जनता के बीच एक प्रकार का पर्दा रखते हैं जिससे जनता आसानी से न मिल सके और इनको अपनी रहस्यपूर्ण बातों को गुप्त रखने में परेशानी न हो।

प्रसार कार्य में नेता की भूमिका इस प्रकार है —

(1.) समूह के लिए बोलने वाला (Group spokesman),
(2.) समूह में सामंजस्य और अनुरूपता लाने वाला (Group Harmonizer);
(3.) समूह के लिए आयोजन करने वाला (Group planner),
(4.) समूह के लिए क्रियान्वयन कर्ता (Group Excutive),
(5.) समूह को सिखाने व बताने वाला (Group Education),
(6.) समूह का पथ-प्रदर्शन (Group Guide),
(7.) समूह में अपनत्व लाने वाला (Group belongingness),
(8.) समूह में सहभागिता बनाने वाला (Group participation),
(9.) समूह के आदर्शों का प्रतीक (Symbol of Group ideals),
(10.) समूह विचार-विमर्श में अध्यक्षता का काम (Group discussion chair person),
(11.) समूह का निरीक्षक और पर्यवेक्षक (Group supervision)

(12.) समूह का हितचिंतक (Group wellwisher)
(13.) सामूहिक हित के कार्यों को पहल करनेवाला (Group initiator)
(14.) समूह को गतिशील बनानेवाला (Group mobilizer)
(15.) समूह का सहायक (Group helper)
(16.) समूह जागरण में सहायक (Group Awarker),
(17.) समूह की नीति-निर्धारण करनेवाला (Group policy-maker)
(18.) समूह के लिए विशेषज्ञ (Group expert).
(19.) समूह का प्रतिनिधित्व करनेवाला (Group Representative),
(20.) समूह का प्रेरक (Group Motivator).

ग्रामीण नेता के उद्देश्य एवं कार्य निम्नलिखित है —

(1) चूंकि ग्रामीण नेता गाँव की समस्याओं आवश्यकताओं से भली-भाँति परिचित रहता है इसलिए ग्रामीण जनता के विकास के लिए किसी कार्यक्रम का नियोजन करने में ग्रामीण नेता से उपयुक्त कोई दूसरा नहीं हो सकता।

(2.) ग्रामीण नेता ग्रामीण जनता को प्रसारकर्ता तक और प्रसारकर्ता को ग्रामीण जनता ~~को प्रसारकर्ता~~ तक पहुँचाने का भी कार्य करता है। इस प्रकार यह इन दोनों के बीच कड़ी का काम भी करता है।

(3) ग्रामीण जनता नेता को अपना मार्गदर्शक व शिक्षक भी मानती है। ग्रामीण नेता ग्रामीण जनता के सुख-दुख, लोभ-हानि, मान-अपमान आदि में भाग लेता है।

इस प्रकार ग्रामीण नेता गाँव के विकास के लिए हर संभव प्रयास करता है। वह गाँव की जनता को अपना व जनता उसे अपना समझती है। इस प्रकार दोनों के सहयोग से गाँव का विकास संभव हो पाता है। इस प्रकार हम ग्रामीण नेता को ग्रामीण विकास की रीढ़ की हड्डी भी कह सकते हैं।

राष्ट्र विकास में उनकी भूमिका :— भारत की अधिकांश जनता गाँव में रहती है। ग्रामीण जनता निरक्षर, अनपढ़, गरीब और अज्ञानता के अन्धकार में जीती है। मात्र कुछ बड़े शहरों के विकास से सम्पूर्ण देश आगे नहीं बढ़ सकता है। यह जरूरी है कि प्रत्येक गाँव के विकास पर ध्यान दिया जाए और ग्रामीण

के कष्टों को दूर किया जाए। उनकी जरूरतें समझी जाएँ तथा उनकी पूर्ति की जाए। उनकी समस्याओं का पता लगाया जाए तथा उनका समाधान खोजा जाए। इन कार्यों में ग्रामीण नेता की भूमिका को सर्वत्र स्वीकार किया जाता है। उनका योगदान सर्वाधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। इस प्रकार ग्रामीण नेता राष्ट्र के विकास में अपना पूर्ण योगदान देते हैं। राष्ट्र के विकास में उनकी भूमिका सराहनीय है।